प्रियंका ने कमीने फिल्म को बताया अपने करियर का टर्निंग प्वाइंट

बॉलीवुड और हॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म कमीने के 16 साल पूरे होने पर कहा कि 2009 में आई विशाल भारद्वाज की यह थ्रिलर फिल्म बॉलीवुड में उनके लिए एक बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुई.

उन्होंने याद किया कि कैसे मियामी में दोस्ताना की शूटिंग के दौरान निर्देशक विशाल भारद्वाज ने उन्हें स्वीटी भोपे की भूमिका की पेशकश की थी. प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की कुछ तस्वीरें साझा कीं जिसमें शाहिद कपूर दोहरी भूमिका में हैं और मुंबई अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है. प्रियंका ने लिखा स्वीटी भोपे. मैं मियामी, फ्लोरिडा में दोस्ताना की शूटिंग कर रही थी जिसका निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे थे. अभिषेक बचन और जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में थे. शूटिंग खत्म होने के बाद एक शाम मुझे विशाल भारद्वाज का मिस्ड कॉल आया. मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी लेकिन मुझे अहसास था कि मेरी व्यावसायिक छवि के कारण वो कभी मुझे कास्ट नहीं करेंगे.

प्रियंका ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा उन्होंने कहा था कि वह मुझसे मिलने आना चाहेंगे, और वह आए भी मियामी. मुझे याद है उन्होंने मुझे कहानी सुनाई थी और मैंने कहा था ठीक है, इसमें लगभग 8 सीन हैं.

200 करोड़ के क्लब में शामिल रजनीकांत की फिल्म कुली

दक्षिण भारतीय फिल्मों के महनायक रजनीकांत की फिल्म कुली - द पावरहाउस ने भारतीय बाजार में 200 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है.

सन पिक्चर्स की फिल्म कुली - द पावरहाउस का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है.यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुयी है.रजनीकांत के अभिनय से सजी इस फिल्म को सिनेप्रेमी बेहद पसंद कर रहे है.रजनीकांत अपने अनोखे अंदाज़ और स्वैग के साथ पर्दे पर छा जाते हैं, वहीं नागार्जुन, अपने गंभीर ख़तरनाक अंदाज़ के साथ नजर आते हैं.फिल्म कुली ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ शुरुआत की और अब तक लगातार धमाल मचाए हुए है.

फिल्म कुली ,देवा नाम के एक पूर्व स्वर्ण तस्कर की कहानी है, जो पुरानी सुनहरी घड़ियों में छिपी चोरी की गई तकनीक से अपने पुराने गिरोह को पुनर्जीवित करके अपनी पुरानी पहचान वापस पाना चाहता है. फिल्म का निर्माण कलानिधि मारन ने सन पिक्चर्स के बैनर तले किया है. आमिर खान ने इस फिल्म में कैमियो भूमिका निभायी है.इस फिल्म में रजनीकांत, नागार्जुन और आमिर खान के अलावा सत्यराज, उपेंद्र, श्रुति हासन की अहम भूमिका है.

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म कुली ने पहले वीकेंड के दौरान तीन दिनों में भारतीय बाजार मे करीब 160 करोड़ की कमाई की थी. चौथे दिन फिल्म कुली ने 35.25 करोड़ रूपये की कमाई की.वहीं, अब पांचवे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है. सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म कुली ने पांचवे दिन 12.15 करोड़ रूपये का कारोबार किया है.इस तरह फिल्म कुली भारतीय बाजार में 206 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर चुकी है

'बिंदी' के प्रोमो ने जीता दर्शकों का दिल

धरती पर माँ के प्यार से बड़ी कोई ताकत नहीं होती ङ्क वह प्यार जो अपने बचे के लिए दुनिया से टकराने से भी नहीं डरता. कलर्स का आने वाला फैमिली ड्रामा 'बिंदी' इसी सचे और गहरे रिश्ते को दर्शाता है. हाल ही में रिलीज हुए प्रोमो की शुरुआत होती है बिंदी से — एक छोटी बची, जो जेल की धुंधली दीवारों को अपनी मासूम रोशनी से चमका देती हैज् और अंत होता है उस दरवाजे के बंद होने से, जो उसके और उसकी माँ काजल के बीच की दूरी को और पक्का कर देता है. यह बची पहली बार जेल से बाहर की दुनिया देख रही है ङ्क एक ऐसी दुनिया जिसे उसने कभी जाना ही नहीं, जहाँ वह किसी को नहीं पहचानती. प्रोमो दर्शकों को हंसी-ठिठोली, जन्मदिन की खुशियों और हाथों से बनी गुड़ियों से ले जाता है उस दर्दनाक पल तक, जब बेटी अपनी माँ से अलग होकर रो पड़ती है. यह साबित करते हुए कि सबसे कठिन कैद वही है, जब आप अपने सबसे प्रिय से दूर हो जाते हैं.

राधिका मुथुकुमार शो में निभा रही हैं काजल का किरदार एक समर्पित माँ का, जबकि साची वोहरा बिंदी के रूप में नजर आएंगी— उसकी चंचल और जिंदादिल बेटी. 'बिंदी' इस एक सचाई पर टिका है-घर वहीं है, जहाँ माँ है. काजल के लिए, अपनी बेटी के प्रति उसका प्यार ही जेल की दीवारों के भीतर उसकी सबसे बड़ी आज़ादी रहा है. वहीं बिंदी के लिए माँ से अलग होना ऐसा है, जैसे जेल से तो आज़ाद हो गई हो, लेकिन अब वह एक ऐसी दुनिया में है जहाँ कोई दीवारें उसकी रक्षा करने के लिए नहीं. इसी पीड़ा को उकेरते हुए प्रोमो का अंत इन भावपूर्ण पंक्तियों से होता है ङ्क माँ हो पास, बस इतनी-सी चाह हैज् पर आसान कहाँ इस बेटी की राह है जब जेल से बाहर की ज़िंदगी और भी कठोर है.

भारत माता की जय हर रोज बोलूंगी- जान्हवी कपूर

बालीवुड अभिनेत्री जान्हवी ने मुंबई में जन्माष्टमी समारोह के दौरान भारत माता की जय का नारा लगाने का एक वीडियो वायरल होने के बाद उन्हें 'ट्रोल्स' करने वालों को करारा जवाब देते हुये कहा है कि वह 'हर रोज भारत माता की जय' का उदघोष करेंगी.

अभिनेत्री कल घाटकोपर में दही हांडी समारोह में शामिल हुई थी जहाँ उन्होंने नारियल से मटकी फोड़ी और जयकारा लगाया. यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से फैल गया और यूज़र्स ने इसे मीम्स में बदल दिया. यूजर्स ने कहा कि शायद जान्हवी ने जन्माष्टमी को स्वतंत्रता दिवस समझ लिया है.

इस बीच जान्हवी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस बाबत एक जबर्दस्त जवाबी पोस्ट में कहा सिर्फ संदर्भ के लिए पूरा वीडियो 'लॉट्स ऑफ लव'. उनके बोलने के बाद नहीं बोलती तो समस्या, और बोलो तो भी वीडियो को काट के मीम मैटेरियल. वैसे सिर्फ जन्माष्टमी के दिन ही नहीं, मैं रोज बोलूंगी भारत माता की जय.

इस बीच उनके जवाब के बाद से समर्थकों ने उनकी देशभक्ति की भावना की सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर उनकी टिप्पणियों की बाढ़ सी ला दी है. एक ने लिखा वह पवित्र और बेफिक्र हैं जबकि दूसरे ने लिखा कम से कम उनमें खुलेआम यह नारा लगाने का साहस तो है.

एक अन्य ने कहा कि वह अपने बेबाक अंदाज़ के ज़रिए इन मीम्स को नज़रअंदाज़ करके अपनी देशभक्ति का इज़हार करती नज़र आती हैं. उधर जान्हवी सिदार्थ मल्होत्रा के साथ अपनी आगामी फिल्म ' परम सुंदरी' के रिलीज होने की तैयारी में लगी हैं.

मनिका विश्वकर्मा के सिर पर सजा ताज

राजस्थान के जयपुर में मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें मनिका विश्वकर्मा ने जीत हासिल की और उनके सिर पर इस ब्यूटी पेजेंट का ताज सजा. इससे पहले 2024 में मनिका मिस यूनिवर्स राजस्थान के लिए चुनी गई थीं और अब मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 का ताज अपने नाम करने के बाद वह थाईलैंड में आयोजित होने वाले 74वें मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी, जो इस साल के आखिरी में आयोजित होने वाले हैं.

मनिका विश्वकर्मा पेशे से मॉडल हैं और राजस्थान के गंगानगर की रहने वाली हैं. हालांकि, पिछले कुछ सालों से वह दिल्ली में रह रही हैं और अपने मॉडलिंग करियर पर फोकस कर रही हैं. अब मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 में जीत हासिल करने के बाद वह चर्चा में आ गई हैं. इस जीत के बाद मनिका ने स्टेज पर अपनी खुशी जाहिर की और अपने मेंटर्स का शुक्रिया अदा किया. उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने ये मुश्किल सफर तय किया और इसमें उनके मेंटर्स ने उनकी काफी मदद की. मनिका ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब जीतने के बाद बताया कि वह गंगानगर की रहने वाली हैं और दिल्ली में रहकर उन्होंने प्रतियोगिता की तैयारी की. उन्होंने एएनआई से बात करते हुए कहा- संघर्ष के बजाय, हमारे पास तैयारी का एक सफर है. मेरा सफर मेरे शहर गंगानगर से शुरू हुआ. मैं दिल्ली आई और इस ब्यूटी कॉन्टेस्ट की तैयारी की. हमें अपने अंदर आत्मविश्वास और साहस जगाना होगा. इसमें सभी की बड़ी भूमिका रही... मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने मेरी मदद की और मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया जो मैं आज हूं...

बोनी कपूर ने दिवंगत पत्नी श्रीदेवी को किया याद

बॉलीवुड निर्माता, निर्देशक और एक्टर बोनी कपूर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर दिवंगत पत्नी और अभिनेत्री श्रीदेवी की बेहद ही खूबसूरत तस्वीर शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है. इस शानदार लुक के साथ बोनी ने एक खास नोट श्रीदेवी की खूबसूरती पर लिखा है.

आज अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बोनी कपूर ने अपनी दिवंगत पत्नी श्रीदेवी की एक खास तस्वीर शेयर की है. इस तस्वीर में श्रीदेवी काले रंग की सेमी-फॉर्मल ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसकी आस्तीन पर गोल्डन रंग से डिजाइन बनी हुई है. इस तस्वीर में श्रीदेवी बेहद आकर्षक और शानदार लग रही हैं. इस शानदार तस्वीर के साथ बोनी ने कैप्शन में लिखा, परिष्कार से भरपूर, भारतीय हो या पश्चिमी, वह हर लुक को शानदार तरीके से निभाती थीं.श्रीदेवी के निधन के बाद बोनी अक्सर उन्हें याद करते रहते हैं और उनकी याद में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं. इस महीने की शुरुआत में श्रीदेवी की 62वीं जयंती पर बोनी ने उनकी पुरानी तस्वीरें साझा कीं और लिखा, आज आप 62 की नहीं, 26 की हैं. जन्मदिन मुबारक हो.

पंजाबी सेंसेशन गिप्पी ग्रेवाल का नया धमाकेदार गाना 'कैमरा' रिलीज

टी-सीरीज़ प्रस्तुत पंजाबी सेंसेशन गिप्पी ग्रेवाल का नया धमाकेदार गाना 'कैमरा' रिलीज हो गया है.

चार्टबस्टर म्यूज़िक डुओ देसी क्रू द्वारा कंपोज़ किए गए संगीत और दमदार बोलों के साथ यह गाना डांस फ्लोर पर आग लगाने के लिए तैयार है.

गाना कैमरा में गिप्पी ग्रेवाल का अंदाज़ और उनका स्टाइल पूरी तरह झलकता है, जहां वह एक लड़की की मौजूदगी को उस ग्लैमर से जोड़ते हैं जिसे वह अक्सर ग्लोबल आइकॉन नोरा फतेही के साथ जोड़कर देखते हैं. चुलबुले बोल और देसी क्रू की जबरदस्त बीट्स मिलकर इस गाने को स्टाइलिश और बेहद आकर्षक बनाते हैं.

हाई-एनर्जी डिस्को बीट्स से लेकर गिप्पी ग्रेवाल के बेमिसाल मूव्स तक, कैमरा हर किसी को थिरकने पर मजबूर करने के लिए तैयार है. इसका म्यूज़िक वीडियो भी उतना ही शानदार है, जो रंगीन दृश्यों और शानदार लोकेशंस से भरा हुआ है और गाने की खूबसूरती को और बढ़ाता है.

डेंस द्वारा किए गए मिक्स और मास्टरिंग के साथ, कैमरा एक पूरा ऑडियो-विजुअल धमाका है, जिसमें स्वैग, एनर्जी और पंजाबी तड़का एक साथ मिलता है. यह गाना अब टी-सीरीज़ के यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है.

खतरनाक कीट कर सकते हैं फसल को बर्बाद

उड़द और मूंग खरीफ सीजन की अहम दलहनी फसलें हैं, जो किसानों की आय का एक अच्छा स्रोत हैं. लेकिन अक्सर विभिन्न प्रकार के कीट इन फसलों पर हमला करके पैदावार को भारी नुकसान पहुंचाते हैं.

अगर समय पर इन कीटों की पहचान और सही प्रबंधन न किया जाए, तो पूरी मेहनत पर पानी फिर सकता है. इस फसल के मुख्य दुश्मन कीट कौन हैं और उनसे अपनी फसल को कैसे सुरक्षित रखा जाए. इस विषय पर कृषि विज्ञान केंद्र नरकटियागंज, पश्चिम चंपारण के हेड और पौध सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ आरपी सिंह ने उड़द और मूंग के हानिकारक कीट सफेद मक्खी और थ्रिप्स कीट की रोकथाम और कंट्रोल के बारे में जानकारी दी.

सफेद मक्खी: छोटा कीट, बड़ा खतरा- डॉ आपी सिंह ने बताया कि इस समय उड़द मूंग की फसल बढ़वार अवस्था पर है. इस समय सफेद मक्खी का अटैक हो सकता है. सफेद मक्खी आकार में भले ही छोटी हो, लेकिन यह उड़द-मूंग की फसल के लिए सबसे विनाशकारी कीटों में से एक है. यह कीट तीन तरीकों से फसल को बर्बाद करता है. यह पत्तियों की निचली सतह पर रहकर लगातार रस चूसता है, जिससे पौधा कमजोर और पीला पड़ जाता है.

परवल-फूलगोभी की बुआई करें शुरू

धान की रोपाई अब लगभग समाप्ति की ओर है. वहीं, पहले इसकी खेती करने वाले कई किसान धान की सोहनी (निराईङ्कगुड़ाई) में जुट गए हैं. लेकिन, जो किसान खरीफ सीजन में धान के अलावा सब्जी की खेती करते हैं, उनके लिए यह समय खास मायने रखता है. विशेष रूप से परवल और फूलगोभी उगाने वाले किसानों के लिए यह सुनहरा मौका है. डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (समस्तीपुर) द्वारा जारी साप्ताहिक कृषि सुझाव में बताया गया है कि अभी का मौसम परवल की खेती के लिए बिल्कुल अनुकूल है.

साथ ही, फूलगोभी की नर्सरी के लिए भी किसान अभी से तैयारी शुरू कर दें. इसके अलावा, धान और मक्का की खड़ी फसलों में कीटों की नियमित निगरानी करना न भूलें, ताकि समय रहते बचाव किया जा सके.

किसान इन बातों का रखें ध्यान - यह समय परवल की खेती के लिए काफी उपयुक्त है. इसकी खेती के दौरान किसान राजेंद्र परवलङ्क1, राजेंद्र परवलङ्क2, एफपीङ्क1, एफपीङ्क3, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक सहित अन्य किस्मों का चयन कर सकते हैं. प्रति हेक्टेयर 2,500 गुच्छों की रोपाई करनी चाहिए. एक गुच्छे से दूसरे गुच्छे की दूरी 2म2 मीटर रखनी चाहिए. परवल के अच्छे फलन के लिए 5 प्रतिशत नर पौधों की रोपाई अवश्य करनी चाहिए. इस विधि से परवल का उत्पादन बेहतर होता है. रोपाई के समय प्रति गड्ढा 3ङ्क5 किलोग्राम कंपोस्ट, 250 ग्राम नीम या अरंडी की खल्ली, 100 ग्राम एस.एस.पी (सिंगल सुपर फॉस्फेट), 25 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश और 10ङ्क15 ग्राम थीमेट का उपयोग करना चाहिए.

मक्के की फसल में कीटों का रखें ध्यान - अगस्त महीने में मक्के की खड़ी फसल में तना छेदक कीट का प्रकोप अधिक देखने को मिलता है. इसके लिए किसानों को फसल की लगातार निगरानी करनी चाहिए. इस कीट की सूंडियां पहले कोमल पत्तियों को खाती हैं, फिर मध्य कलीका की पत्तियों के बीच घुसकर तने में पहुंच जाती हैं और तने के गूदे को खाते हुए जड़ों की ओर सुरंग बनाती हैं.

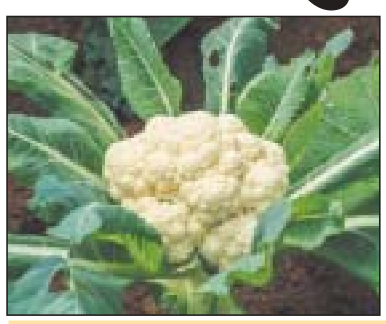

फूलगोभी की नर्सरी की करें तैयारी

फूलगोभी की नर्सरी के लिए किसानों को बीज चयन के दौरान विशेष सावधानी बरतनी चाहिए. विश्वविद्यालय के अनुसार, फूलगोभी की मध्यकालीन अगहनी किस्मों में पूसी, पटना मेन, पूसा सिंथेटिकङ्क1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघा, काशी कुवाँरी और अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई करनी चाहिए. बीज को उपचारित करने के बाद ही उथली क्यारियों में बोना चाहिए.

बकरियां, ऐसे नहीं की देखभाल तो हो सकता है निमोनिया

बच्चों को मौसमी और संक्रमण वाली बीमारियों से बचाने के लिए बकरी पालक अब कैलेंडर के हिसाब से बकरियों को गाभिन कराने लगे हैं. अपने हिसाब से बच्चे पैदा करे लिए बकरियों को गाभिन भी अपने ही हिसाब से करा रहे हैं. यही वजह है कि जिन बकरियों को अप्रैल से जून के बीच में गाभिन कराया गया है वो अब सितम्बर से अक्टूबर के बीच में बच्चा देंगी. लेकिन ये वो वक्त होता है जब मौसम गर्मी से सर्दी में दाखिल हो रहा होता है. ऐसे में जरूरी होता है कि बकरी के आने वाले बच्चे को बीमारियों से बचाया जाए. खासतौर पर बच्चे को निमोनिया न होने पाए.

बकरी के बच्चों को कैसे होता है निमोनिया - साइंटिस्ट का कहना है कि सितम्बर में जब मौसम बदलता है तो दिन में गर्मी और रात में ठंडक रहती है. ऐसे मौसम में खासतौर पर बकरी के बच्चे अपने को उस मौसम में नहीं ढाल पाते हैं. जिसके चलते वो निमोनिया की चपेट में आ जाते हैं. निमोनिया शुरू होते ही उन्हें बुखार आने लगता है, नाक बहती है और सांस लेने में परेशानी होती है. जैसे ही यह लक्षण दिखाई दें तो फौरन ही डॉक्टर के पास ले जाएं. जब तक डॉक्टर दवाई खिलाने की कहे तो बकरी के बच्चे को लगातार बिना गैप के उसे दवाई खिलाएं.

बच्चों को निमोनिया से बचाने के लिए क्या करना चाहिए

ठंडा मौसम शुरू होते ही सबसे पहले तो बकरी पालक को बकरियों के आवास में बदलाव करना चाहिए. बकरियों के शेड को इस तरह से ढक दें कि उसमे ठंडी हवाएं आसानी से न आएं. दूसरा यह कि दोपहर के वक्त ही बकरियों और उनके बच्चों को चराने ले जाएं. सुबह और देर शाम तक बकरियों और उनके बच्चों को चराने न ले जाएं. ध्यान रहे कि मौसम के चलते पानी बहुत ज्यादा ठंडा न हो. उन्हें शेड में भरपूर चारा दें. कोशिश करें कि इस दौरान बकरियों और उनके बच्चों को पूरा न्यूट्रिशन मिले.

बाजरे की फसल पर इस कीट का मंडरा रहा खतरा

बाजरे की खेती खरीफ की फसल के रूप में की जाती है. बाजरे की फसल कम खर्च में अधिक उत्पादन देने वाली फसल है, जिसका इस्तेमाल खाने और पशुओं के चारे के अलावा और भी कई तरह से किया जाता है. लेकिन इस समय लगातार हो रही बारिश के कारण फसल में बाल वाली सुड़ी का प्रकोप देखने को मिल रहा है. बालों वाली सुंडी का प्रकोप बारिश के मौसम के यानी जुलाई-अगस्त के महीने बढ़ जाता है. ये सुंडी पौधे की पत्तियों को खाकर उन्हें नुकसान पहुंचाती है, जिससे पौधों का विकास रुक जाता है. ऐसे में अगर किसान इस कीट का प्रबंधन न करें, तो पूरी फसल चौपट हो सकती है. ऐसे में आज हम बताएंगे बचाव के आसान उपाय.

बाल वाली सुड़ी का पहचान-बालों वाली सुंडी फसलों को नुकसान पहुंचाने वाला एक कीट है, जिसकी पहचान पौधों की पत्तियों पर छोटे-छोटे छेद और जालीदार पत्तो से की जा सकती है. इसके अलावा, पत्तियों का रंग पीला या भूरा होना और फिर सूख जाना भी इसके संक्रमण का संकेत है. बालों वाली सूंडिया पत्तों पर अकेली घूमती हैं और पत्तों को खाती रहती हैं. इसलिए समय रहते बाजरे को इन सूंडियों से नहीं बचाया जाए तो पूरी की पूरी फसल चौपट हो सकती है.

फसल बचाने के ये हैं उपाय- बाल वाली सुंडी की रोकथाम के लिए खेत में खरपतवार न पनपने दें. वहीं, फसल में रोग दिखाई देने पर पौधों पर क्विनलफास या मोनोक्रोटोफास की 250 मिलीलीटर मात्रा को प्रति एकड़ के हिसाब से पानी में मिलाकर छिड़काव करें. इसके अलावा नीम के तेल या सर्फ को पानी में मिलाकर उसका छिड़काव भी किया जा सकता है. इन उपायों को अपनाकर आप बाजरे की फसल को बाल वाली सुंडी से बचा सकते हैं.

फसल बचाने के अन्य उपाय

- बालों वाली सूंडियों के पतंगे रोशनी की तरफ आकर्षित होते हैं. बारिश के बाद एक महीने तक लाइट ट्रैप का इस्तेमाल करें.
- खेतों के आसपास खरपतवार न जमा होने दें क्योंकि उस पर कीड़े अंडे देते हैं और वहीं से कीड़े पनप कर फसलों पर जाते हैं.
- पत्तों को सूंडियों सहित तोड़ लें और ऐसे पत्तों को जमीन में गहरा दबा दें या मिट्टी के तेल के घोल में डालकर मार दें.
- बड़ी सूंडियों को कुचलकर नष्ट कर दें अन्यथा मिट्टी के तेल के घोल में डालकर नष्ट कर दें.
- बालों वाली सूंडियों की निगरानी के लिए प्रति एकड़ में 5 फेरोमोन ट्रैप लगाएं.
- आक्रमण दिखते ही गोभ में सूखी रेत और चूने का 9 :1 मिश्रण डालें.